राज्यपाल सचिवालय
राजभवन , जयपुर

"शिखर पर्व" का राज्यपाल ने किया शुभारम्भ

राजभवन में साकार हुई राजस्थानी लोक संस्कृति

जयपुर, 25 मई। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने बुधवार सायं माउंट आबू स्थित राजभवन में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय "शिखर पर्व" का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया।

'शिखर पर्व' की शुरुआत कला प्रदर्शनी और सांस्कृतिक संध्या से हुई। आरम्भ में नन्ही कलाकार बेबी अमिशी और बेबी आशी ने लोक और शास्त्रीय के मेल में सजी भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुति दी। कम वय होते हुए भी इन दोनों कलाकारों ने अपनी नृत्य की भाव भंगिमाओं से दर्शकों को देर तक लुभाया।

सांस्कृतिक संध्या का मुख्य आकर्षण पद्मश्री अनवर खां की गायकी थी। उन्होंने लोक राग में गणेश वंदना करते 'नाचे छै गणपति गजानन' से अपनी मधुर प्रस्तुति की शुरुआत की। बाद में उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव की महिमा से जुड़ा 'गाता जायजो संगी अपनी देश री आजादी रा गीत गुण गाता जायजो...' गीत को राजस्थानी लोक संगीत में प्रभावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। इसके बाद उन्होंने 'दमादम मस्त कलन्दर' को अपने अंदाज में मीरा, सूरदास आदि की मिश्र भक्ति रचनाओं संग स्वर माधुर्य में संजोया।जोगी समुदाय द्वारा बजाए जाने वाले लोक वाद्य भपंग की मोहक प्रस्तुति लोक कलाकारों ने दी। सांस्कृतिक संध्या 'रंग पश्चिम' में महाराष्ट्र के लोक कलाकारों ने जहां लावणी के लावण्य से लुभाया वहीं कठपुतली कला, गुजरात का भवाई, टिपणी, रास हूडा, रास डांडिया आदि की भी विरल नृत्य प्रस्तुतियां हुई। इस दौरान मोरचंग, भपंग, हारमोनियम की भी मधुर संगत मन को भाने वाली थी।
सांस्कृतिक संध्या के समापन में राजस्थान के लोक कलाकारों ने यूनेस्को की धरोहर में सम्मिलित कालबेलिया नृत्य की भावपूर्ण प्रस्तुति से उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

राज्यपाल श्री मिश्र, राज्य की प्रथम महिला श्रीमती सत्यवती मिश्र सहित उनके परिजनों, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविन्दराम जायसवाल, जिला कलक्टर डॉ. भंवर लाल, जिला पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र सिंह, उपखंड अधिकारी श्री कनिष्क कटारिया सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य जन ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया ।

राजभवन में 20 कलाकृतियों का हुआ प्रदर्शन*

राज्यपाल ने किया 'हेरिटेज आर्किटेक्ट चित्र प्रदर्शनी' का लोकार्पण

जयपुर, 25 मई। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने बुधवार को माउंट आबू स्थित राजभवन में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की ओर से "शिखर पर्व" के अंतर्गत लगाई गई 'हेरिटेज आर्किटेक्ट चित्र प्रदर्शनी' का लोकार्पण किया।

राज्यपाल श्री मिश्र ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित ऐतिहासिक महल, किले मंदिर, तोरण द्वार आदि के चित्रों का अवलोकन करते हुए धरोहर संरक्षण की सोच के तहत इसे महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कलाकारों द्वारा भाव संवेदना के साथ ऐतिहासिक स्थलों के उकेरे चित्रों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कलाकारों को प्रोत्साहन सभी स्तरों पर जरूरी है।

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की निदेशक श्रीमती किरण सोनी गुप्ता ने बताया कि धरोहर संरक्षण के साथ उससे जुड़े कला सरोकारों के तहत इन चित्रों का प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने बताया कि "धरोहर आर्ट कैंप" और कोविड के दौर में कलाकारों द्वारा घर पर रहते इन कलाकृतियों का देश के विभिन्न राज्यों के चित्रकारों ने सृजन किया था। इनका इससे पहले भी विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि प्रदर्शित कलाकृतियों में कलाकारों ने स्थान विशेष के रंग-स्थापत्य के साथ रेखाओं से सौंदर्य का विरल संसार सिरजा है। इनमें मंदिर, महल, मस्जिद, बावड़ियों, पहाड़ी क्षेत्र में बनी इमारतों के स्थापत्य, उनके सौंदर्य को कलाकारों ने अपनी कला-दृष्टि से जीवंत किया है। प्रदर्शनी में 20 कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया है।

कला पर्व के दूसरे दिन 'अनुभूति' कार्यक्रम में गुजरात के एम.एस. यूनिवर्सिटी वडोदरा के कलाकारों द्वारा शास्त्रीय और उपशास्त्रीय गीत-संगीत की प्रस्तुतियां होंगी । पर्व के आखिरी दिन 27 मई को 'लास्य दक्षिण' में देश की विख्यात नृत्यांगना जया प्रभा मेनन द्वारा मोहिनीअट्टम की प्रस्तुति दी जाएगी।